मानवीय संगठनों के लिए जलवायु और पर्यावरण चार्टर

परिचय

जलवायु और पर्यावरण संकट मानवता के अस्तित्व के लए खतरा हैं। हमारे शारीरिक और मान सक स्वास्थ्य से लेकर हमारे भोजन, पानी और आ थक सुरक्षा तक हमारे जीवन के सभी आयाम इससे प्रभा वत हैं, हालां क संकट सभी को प्रभा वत कर रहा हैं, ले कन जिन लोगों ने इस समस्या में सबसे कम अनुदान दिया है, वे इससे सबसे अ धक प्रभा वत हैं और यह स्थिति बदतर होते जा रही है।

जलवायु और पर्यावरण संकट से भावी पीढ़ियों के जीवन और अ धकारों की रक्षा करने के लए यह ज़रूरी है क क्या हम सही वकल्प चुनते हैं या नहीं- ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती, जैव व वधता की हानि और पर्यावरणीय क्षरण को रोकना, बढ़ते जो खमों के अनुसार खुद को ढालना और संकटों के प्रभावों से जुड़े नुकसान और क्षति को दूर करना। इस संकट से बचने के लए व्यापक परिवर्तनों की तत्काल आवश्यकता हैं। जैसे स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय संगठनों के रूप में हम संकट के पैमाने और बढ़ती जरूरतों को पूरा करने की हमारी क्षमता के बारे में गहराई से चंतित हैं, हम कार्रवाई करने के लए दृढ हैं। हमारी जिम्मेदारी है क हम स्वयं के कार्यों को तेज करके और दूसरों को भी ऐसा करने के लए प्रेरित करके संकटों के प्रभावों को कम करने के लए मलकर काम करें।

उद्देश्य

चार्टर का उद्देश्य जलवायु और पर्यावरण संकटों के जवाब में सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करना और उसका मार्गदर्शन करना है, खास तौर पर उन लोगों के लए जो इसके प्रभावों को सबसे ज़्यादा महसूस करेंगे। इसकी प्रतिबद्धताओं को संगठन-व शष्ट लक्ष्यों और कार्य योजनाओं के माध्यम से लागू कया जाना चाहिए, जो तत्काल कार्रवाई की ज़रूरत और संगठनों की व्यक्तिगत क्षमता और जनादेश से सू चत हों।

यह चार्टर नवीनतम वैज्ञानिक साक्ष्यों और पेरिस समझौते के उद्देश्यों, आपदा जो खम न्यूनीकरण के लए सेंडाई फ्रेमवर्क (SFDRR) और सतत वकास लक्ष्यों (SDGs), साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मानवा धकार कानून, अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण कानून सहित अन्य प्रासं गक अंतर्राष्ट्रीय कानून और मानकों द्वारा निर्दे शत है। यह प्रमुख मानवीय मानकों का पूरक है, जैसे क आपदा राहत में अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रसेंट और गैर सरकारी संगठनों के लए आचार संहिता, गुणवत्ता और जवाबदेही पर मुख्य मानवीय मानक, संरक्षण कार्य के लए व्यावसायिक मानक और क्षेत्र पुस्तिका।

स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय संगठनों के रूप में एक साथ खड़े होकर, हम निम्न ल खत के लए प्रतिबद्ध हैं:

1. बढ़ती मानवीय अवश्क्ताओ के प्रति अपनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाये और लोगों को जलवायु और पर्यावरण संकटों के प्रभावों के अनुरूप ढलने में मदद करे।

हम जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन, आपदा जो खम न्यूनीकरण और पूर्वानुमानित कार्रवाई पर अ धक ध्यान केंद्रित करके झटकों, तनावों और दीर्घका लक परिवर्तनों के जो खम और भेद्यता को कम करेंगे। तैयारी, प्रति क्रया और पुनर्प्राप्ति सहित हमारे सभी कार्यों में, हम ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बदलते जलवायु और पर्यावरणीय जो खमों पर वचार करेंगे और उनका समाधान करेंगे। हमारे कार्यक्रम और संचालन, उपलब्ध सर्वोत्तम लघु, मध्यम और दीर्घका लक जलवायु और पर्यावरण वज्ञान और डेटा, और स्थानीय और स्वदेशी ज्ञान द्वारा सू चत ठोस जो खम वश्लेषणों पर आधारित होंगे।

हम उन व्यक्तियों का समर्थन करेंगे जो सबसे अ धक जो खम में हैं, इस बात को ध्यान में रखते हुए क व्यक्तिगत वशेषताएं, जैसे लंग, आयु और वकलांगता, संरचनात्मक असमानता, कानूनी स्थिति, तथा गरीबी, हा शए पर होना, वस्थापन, प्रवास, सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातस्थिति या सशस्त्र संघर्ष जैसी स्थितियां, लोगों की क्षमताओं और कमजोरियों पर क्या प्रभाव डालती हैं।

2. हमारे काम की पर्यावरणीय स्थिरता को अधिकतम करें और हमारे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करें।

"कोई नुकसान न करें" के सद्धांत के अनुरूप, हम समय पर और सैद्धांतिक मानवीय सहायता प्रदान करने की अपनी क्षमता को बनाए रखते हुए, पर्यावरण और जलवायु को होने वाले नुकसान से बचेंगे, कम करेंगे और प्रबं धत करेंगे। हम सुदृढ़ पर्यावरण नीतियों को लागू करेंगे और अपने कार्यक्रमों, खरीद, रसद और परिसर सहित अपने सभी कार्यों के तत्काल और दीर्घका लक पर्यावरणीय प्रभाव का व्यवस्थित रूप से आकलन करेंगे। हम वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को मापेंगे और उसमें उल्लेखनीय कमी लाएंगे। अपरिहार्य उत्सर्जन की भरपाई के लए उच्च गुणवत्ता वाली उत्सर्जन कटौती परियोजनाओं का समर्थन करना, जिसमें वनों और भू म का संरक्षण और बहाली शा मल है, कमी के प्रयासों का पूरक होगा, ले कन इसे ऐसे प्रयासों का वकल्प नहीं माना जाएगा। हम पानी सहित प्राकृतिक

संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक प्रबंधन और उपयोग करेंगे, और हमारे परिसरों और हमारे कार्यक्रमों द्वारा उत्पन्न कचरे को कम करेंगे और उ चत तरीके से प्रबं धत करेंगे।

3. स्थानीय कार्यकर्ताओं और समुदायों के नेतृत्व को अपनाएं।

हमारी कार्रवाई स्थानीय कार्यकर्ताओं और समुदायों के नेतृत्व और अनुभव द्वारा निर्दे शत होगी। हम उन्हें जलवायु और पर्यावरणीय जो खमों को बदलने के लए बेहतर तरीके से तैयार करने में सहायता करेंगे, और प्रकृति-आधारित समाधानों सहित निवारण और अनुकूलन उपायों पर स्थानीय, पारंपरिक और स्वदेशी ज्ञान से सीखेंगे। हम स्थानीय स्तर पर संचा लत टिकाऊ प्रति क्रयाओं में निवेश करेंगे। हम अपने कार्यक्रमों के डजाइन, प्रबंधन, कार्यान्वयन और मूल्यांकन में स्थानीय कार्यकर्ताओं और हमारे द्वारा सेवा प्रदान कए जाने वाले लोगों की सार्थक और समावेशी भागीदारी और नेतृत्व सुनिश्चित करने के लए मलकर काम करेंगे।

4. जलवायु और पर्यावरण को समझने की हमारी क्षमता में वृद्धि करें। जोखिम और साक्ष्य-आधारित समाधान विकसित करें।

जो खमों को कम करने, संकटों का पूर्वानुमान लगाने, समय रहते कार्रवाई करने और अपनी गति व धयों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लए, हम अपनी सामूहिक क्षमता को मजबूत करने के लए, अल्पका लक और दीर्घका लक जलवायु और पर्यावरणीय जो खमों और अवसरों के बारे में अपनी समझ को बढ़ाएँगे। जब संभव होगा, हम डेटा की कमी को दूर करने में मदद करने के लए प्रासं गक और सुलभ डेटा और वश्लेषण का उत्पादन और साझा करेंगे। हम अपनी सभी गति व धयों में इन जो खमों को दूर करने के लए वज्ञान, साक्ष्य, प्रौद्यो गकी और संचार के अपने उपयोग में सुधार करेंगे।

5. जलवायु और पर्यावरणीय कार्रवाई को मजबूत करने के लिए मानवतावादी क्षेत्र और उससे परे सहयोगात्मक रूप से काम करें।

हम मानवीय प्रणाली में, वशेष रूप से स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अ भनेताओं के बीच सहयोग बढ़ाएंगे। हम जो खमों के प्रबंधन और स्थायी हस्तक्षेप वक सत करने के प्रयासों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लए स्थानीय और राष्ट्रीय अ धकारियों, पर्यावरण, वकास और मानवा धकार अ भनेताओं, अंतर्राष्ट्रीय वत्तीय संस्थानों, निजी क्षेत्र, शोधकर्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं और दाताओं के साथ भी काम करेंगे। हम, वशेष रूप से, जन-केंद्रित, जलवायु-लचीला और

समावेशी वकास को आकार देने में मदद करने के लए हमारे ज्ञान और अंतर्दृष्टि को साझा करें।

6. तत्काल और अधिक महत्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई और पर्यावरण संरक्षण जुटाने के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करें।

हम जो खमों को कम करने और जलवायु और पर्यावरणीय संकटों के कारणों और परिणामों को संबो धत करने के लए सरकारों, संगठनों, निजी क्षेत्र और व्यक्तियों द्वारा सभी स्तरों पर महत्वाकांक्षी कार्रवाई का आह्वान करते हैं। नीतियों, निवेशों, प्रथाओं, लोगों के खर्च, जलवायु और पर्यावरणीय संकट के वर्तमान और भ वष्य के मानवीय परिणामों के साक्ष्य के साथ, हम कानूनों से संबं धत निर्णय लेने सहित निर्णय को सू चत करने और प्रभा वत करने के लए प्रतिबद्ध हैं। हम मजबूत जलवायु कार्रवाई और पर्यावरण संरक्षण के लए प्रासं गक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कानूनों, मानकों, नीतियों और योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लए अपने प्रयास भी बढ़ाएंगे।

7. लक्ष्य विकसित करें और अपनी प्रगति को मापें, जैसे हम अपनी प्रतिबद्धताओं को लागू करते हैं।

हम जलवायु और पर्यावरण पर अपने काम के प्रभाव को सख्ती से मापेंगे और पारदर्शी तरीके से रिपोर्ट करेंगे, और जिन लोगों की हम सेवा करते हैं उनसे प्रति क्रया मांगेंगे। इस चार्टर को अपनाने के बाद, हम प्रासं गक मानकों और मार्गदर्शन का उपयोग करते हुए, एक वर्ष के भीतर (यदि पहले से मौजूद नहीं है) अपनी प्रतिबद्धताओं को समयबद्ध लक्ष्यों और कार्य योजनाओं में बदल देंगे। जैसे-जैसे हमारी महत्वाकांक्षाएं बढ़ती हैं, और हमारा ज्ञान और क्षमता वक सत होती है, लक्ष्यों की निय मत आधार पर समीक्षा करने की आवश्यकता हो सकती है। हमारे काम करने के तरीकों में बदलाव से मान सकता और दृष्टिकोण में बदलाव आएगा, साथ ही महत्वपूर्ण परिवर्तन और रखरखाव लागत भी आएगी। हम अपनी प्रतिबद्धताओं को हा सल करने के लए आवश्यक संसाधनों का निवेश करेंगे और कार्यान्वयन की प्र क्रया में एक-दूसरे का समर्थन करेंगे। हमारे दान दाताओं का समर्थन आवश्यक होगा।

अनुलग्नक: शब्दावली

अनुकूलन (जलवायु परिवर्तन के लए): बदलती जलवायु के साथ तालमेल बिठाने के लए हम क्या करते हैं यह वास्त वक या अपे क्षत जलवायु और उसके प्रभाव हैं। मानव प्रणा लयों में, अनुकूलन का उद्देश्य नुकसान को कम करना या उससे बचना या लाभकारी अवसरों का दोहन करना है। कुछ प्राकृतिक प्रणा लयों में, मानवीय हस्तक्षेप अपे क्षत जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों के साथ तालमेल बिठाने में सहायता कर सकता है (IPCC, 2018)।

पूर्वानुमानित कार्रवाईः संभा वत आपदा प्रभावों को रोकने या कम करने के लए झटके से पहले या तीव्र प्रभाव महसूस होने से पहले की गई कार्रवाइयों का एक समूह। ये कार्रवाइयां कसी खतरे के प्रभाव की आशंका में और घटना के कस तरह सामने आने की भ वष्यवाणी के आधार पर की जाती हैं। पूर्वानुमानित कार्रवाइयों को जो खम कम करने में दीर्घका लक नवेश का वकल्प नहीं होना चाहिए और इसका उद्देश्य लोगों की जो खम प्रबंधन क्षमता को मजबूत करना होना चाहिए (पूर्वानुमानित हब, 2020)।

जैव व वधता की कमी: एक वशेष क्षेत्र में मृत्यु (वलुप्ति सहित), वनाश या मैनुअल हटाने के माध्यम से होती है, जिससे जै वक व वधता के कसी भी पहलू में कमी आती है (यानी आनुवं शक, प्रजाति और पारिस्थितिकी तंत्र के स्तर पर व वधता खो जाती है); यह वैश्विक वलुप्ति से लेकर जनसंख्या वलुप्ति तक कई पैमानों को संद र्भत कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप समान पैमाने पर कुल व वधता में कमी आती है (IPBES कोर शब्दावली, 2021)।

जलवायु कार्रवाईः जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभाव से निपटने के लए तत्काल कार्रवाई, साथ ही सभी देशों में जलवायु से संबं धत खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लचीलापन और अनुकूलन क्षमता को मजबूत करने के लए उठाए गए कदम। जलवायु कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र सतत वकास लक्ष्यों (ECOSOC, 2019) के लक्ष्य 13 का वषय है।

जलवायु और पर्यावरण संकटों में चरम जलवायु और मौसम की घटनाएं, जैव व वधता की हानि, वायु प्रदूषण, भू म क्षरण, असंतु लत उत्पादन और खपत, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, समुद्री प्लास्टिक कचरा, अत्य धक दोहन वाले प्राकृतिक संसाधन, एंटीबायोटिक प्रतिरोधी संक्रमण और खतरनाक पदार्थों और कीटनाशकों का हानिकारक उपयोग शा मल हैं (UNEP: GEO-6, 2019)।

पर्यावरणीय स्थिरताः एक स्थिति है जिसमें पर्यावरण पर रखी गई मांगों को सभी लोगों को अब और भ वष्य में अच्छी तरह से जीने की अनुमति देने की क्षमता को कम कए बिना पूरा कया जा सकता है (GEMET, 2020)। पर्यावरणीय स्थिरता जलवायु कार्रवाई से व्यापक होती है, जलवायु और पर्यावरणीय प्रभावों को सी मत करना दोनों ही जलवायु परिवर्तन को कम करने में योगदान दे सकता है, उदाहरण के लए उत्सर्जन और हरित प्रथाओं को कम करके, और जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों की लचीलापन को मजबूत करने के लए (IUCN, कोई तारीख नहीं; IUCN, 2015; GEMET, 2020)।

निवारण (जलवायु परिवर्तन का): ऐसी कार्रवाई जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को सी मत या रोकती है और उन गति व धयों को बढ़ाती है जो इन गैसों को वायुमंडल से हटाती हैं (IPCC, 2018)।

प्रकृति-आधारित समाधानः प्राकृतिक और संशो धत पारिस्थितिक तंत्रों की रक्षा, स्थायी प्रबंधन और पुनर्स्थापना के लए कार्य जो सामाजिक चुनौतियों का प्रभावी और अनुकूल तरीके से समाधान करते हैं, साथ ही साथ मानव कल्याण और जैव व वधता लाभ भी प्रदान करते हैं (IUCN, 2016)।

Source: https://www.climate-charter.org/ Developed and *Hindi* language translation by All India Disaster Mitigation Institute (AIDMI).